एकात्म भारत के लिए
सुरेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष, नवमी
मंगलवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

5 नवंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

हुतात्मा दिवस पर बजरंग दल के 54 कार्यकर्ताओं ने कांकेर में किया रक्तदान

कांकेर

हुतात्मा दिवस पर बजरंग दल ने रक्तदान का आयोजन किया। इस दौरान जिला अस्पताल में 22 लोगों ने पहुंचकर रक्तदान किया। इस दौरान सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बजरंग दल के 22 कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर रक्तदान किया। भानुप्रतापपुर व चारामा के अस्पताल में भी रक्तदान किया गया। तीनों जगह मिलाकर 54 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

इसमें अयोध्या में भगवान राम मंदिर को लेकर 1992 में बजरंग दल के दो जुड़वा भाई बंधु राम कोठारी व शरद शहीद हो गए थे। इसको लेकर हुतात्मा दिवस का आयोजन हर वर्ष बजरंग दल करती है। इसमें बजरंग दल ने जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें 22 लोगों ने रक्तदान किया। इसमें सुरेश तिवारी (40) ने 23 वां बार रक्तदान किया। सुरेश तिवारी ने कहा वे वर्ष में दो बार रक्तदान जरूरतमंदों को करते हैं। वहीं 10 वीं बार राजा साहू ने रक्तदान किया। मुकेश निषाद ने 5 वीं बार रक्तदान किया। बजरंग दल के विभाग संयोजक विजय जैन ने कहा हुतात्मा दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने देश में कई स्थानों पर इस इस तरह के आयोजन किए।

सेवा भारती का वार्षिक बाल शिविर आठ नवंबर से

तरनतारन

समाज सेवा को समर्पित संस्था सेवा भारती का वार्षिक बाल शिविर 8 नवंबर से 10 नवंबर तक प्रेम आश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल अमृतसर में आयोजित किया जा रहा है।

सेवा भारती के विभाग मंत्री नरेश मरवाहा ने बताया कि इस बाल शिविर में अमृतसर एवं जालंधर विभाग के बाल संस्कार केंद्रों के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। इस शिविर में अमृतसर, बटाला, तरनतारन, जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर, नकोदर एवं फगवाड़ा में चल रहे बाल संस्कार केंद्रों के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी शामिल होंगी। इस शिविर में लंबी कूद, 100 मीटर दौड़, नाटक, भाषण प्रतियोगिता, समूह गीत, कबाड़ से जुगाड़ एवं प्रश्न मंच इत्यादि प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। पहले तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संस्था की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। इस मौके सेवा भारती अमृतसर के अध्यक्ष भोलानाथ खन्ना व महासचिव अश्वनी कुमार भी उपस्थित थे।

एनआरसी भविष्य का दस्तावेज : सीजेआई

अवैध प्रवासियों का पता लगाना समय की आवश्यकता –बोले जस्टिस गोगोई

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्तर पर बहस का विषय बने एनआरसी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने एनआरसी का समर्थन किया है। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने एनआरसी की आलोचना करने वालों पर निशाना साधने के साथ ही मीडिया घरानों की गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग के चलते विषय को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसके कारण स्थिति खराब हुई।

दिल्ली में 'Post-Colonial Assam' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश ने एनआरसी पर कहा कि, "यह मुद्दा सिर्फ 19 लाख या 40 लाख के आंकड़े का नहीं है, यह भविष्य के लिए आधार दस्तावेज है। एक दस्तावेज जिसके आधार पर हम भविष्य के दावों को निर्धारित कर सकते हैं। मेरे विचार में, NRC का आंतरिक मूल्य, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व है। प्रगतिशील समाज समावेशी होता है।" जस्टिस गोगोई ने कहा कि यह चीजों को बेहतर ढंग से करने का एक मौका है। गैरकानूनी रूप से रह रहे प्रवासियों पर कार्रवाई करने वाले प्रस्ताव के समर्थन में मुख्य न्यायाधीश ने इस कदम को आवश्यक बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में अवैध तरीके से रह रहे प्रवासियों की संख्या पता लगाने की

तत्काल आवश्यकता है। यही एनआरसी का एक जरूरी हिस्सा भी है. उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि एनआरसी के जरिए अब तक कितना काम हो पाया है, इस पर भी ध्यान दिया जाए। एनआरसी एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर लम्बे समय से देश में व्यापक बहस छिड़ी हुई है। विशेष बात यह है कि जस्टिस रंजन गोगोई स्वयं असम से आते हैं। इसके चलते एनआरसी पर उनके विचार इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं।

भारत में 'राष्ट्रीयता के समग्र विचार' हैं: प्रफुल्ल केतकर

डीयू में तीन दिवसीय विमर्श 2019 का आयोजन
नई दिल्ली.

दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस सेंटर में युवा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय "विमर्श – 2019" के दूसरे दिन भी विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

पहले सत्र 'ब्रेनवॉश्ड रिपब्लिक' सत्र में लेखक विजय मोहन तिवारी, नीरज अत्री और डॉ. मनोज सिन्हा, 'जम्मू कश्मीर एंड लद्दाख अवे फॉरवर्ड' में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक आशुतोष जी भटनागर और डॉ. एस.के. गर्ग, 'सोशल मीडिया वारियर्स' पैनल डिस्कशन में प्रशांत उमराव, कायनात काजी, अखिलेश शुक्ल, अनिल पाण्डेय, 'पुस्तक चर्चा' के लिए मानोशी सिन्हा रावल, सिद्धार्थ और आकाश नरेन्द्र और 'अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर' विषय पर प्रोफेसर महेश्वर सिंह और शुभम रस्तोगी जी ने चर्चा की।

दूसरे सत्र में अमन लेखी, मनन पोपली और राजेश गोगना ने 'रिविजिटिंग गोल्डन ट्रायंगल – नेशनल सिक्यूरिटी एंड पर्सनल लिबर्टी' विषय पर चर्चा की और प्रोफेसर भगवती प्रसाद का 'टेक्नो नेशनलिज्म' विषय

पर उद्बोधन रहा। इसके बाद के सत्र में 'साइंस ऑफ़ स्पिरिचुअल' विषय पर प्रोफेसर रमेश चन्द्र भारद्वाज व प्रोफेसर पवन धर, 'वीमेन इन न्यूज़' विषय पर पत्रकार स्वाति गोयल शर्मा, अदिति टंडन, 'इंडियन फुटप्रिंट एंड स्पेस टेक्नोलॉजी' विषय पर डॉ. राजाबाबू और डॉ. सविता राय, 'रोल ऑफ़ सिविल सर्वेंट फॉर अवेकंड भारत' विषय पर संकल्प आईएएस के संगठन महामंत्री कन्हैया लाल, अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, डॉ. आर.एस. गुप्ता ने अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी मृगेन्द्रता साबित करते हुए छात्रों को राष्ट्रसेवा की ओर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में उभरते उद्यमियों का प्रोत्साहन करने हेतु 'स्टार्ट-अप एंड इनोवेशन अवार्ड' का आयोजन भी किया गया. जिसमें डॉ. आदित्य गुप्ता का सान्निध्य विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। साथ ही रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता, संभाषण प्रतियोगिता व निबंध प्रतियोगिता भी रही। दूसरे दिन के समापन सत्र में आर्गनाइज़र पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर का उद्बोधन रहा। उन्होंने 'इंडिक थॉट्स बनाम अनइंडिक आइडियोलॉजी' विषय रखा. उन्होंने कहा कि भारत में 'राष्ट्रवाद की एक्स्क्लुसिविटी' नहीं बल्कि 'राष्ट्रीयता के समग्र विचार' हैं। साम्यवाद व पूंजीवाद के साथ-साथ 'ईसाईवाद व इस्लामवाद' की विचारधाराओं को समझाते हुए ज़ोर दिया कि भारत इन विचारधाराओं से बाध्य नहीं है। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो धर्म संसद के भाषण में उन्होंने कहा था -"मैं उस सभ्यता का प्रतिनिधि हूँ जो 'सहिष्णुता' से भी आगे विचार करती है"। दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ एक साक्षात्कार का स्मरण करते हुए बताया कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का मानना था – "भारत वास्तव में तब विकसित था, जब हजारों विदेशी छात्र नालंदा व तक्षशिला में पढ़ने आते थे।" महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने भी अंतिम सत्र में भारत के प्राचीन ज्ञान पर विचार व्यक्त किये।